राजस्थान पुलिस

कार्यालय अतिरिक्त निदेशक, (प्रचार)

जनसंपर्क प्रकोष्ठ, पुलिस मुख्यालय, जयपुर

/PoliceRajasthan

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र... मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

विविध समाचार पत्रों में प्रकाशित

न्यूज क्लिपिंग्स

दिनांक : 11 फरवरी 2026

Thestateview.com • Newsinrajasthan.com

RJENG/25/A3436

The State View

Jaipur, Wednesday, 11 February 2026 Digital Addiction Pages:8 Rs:3.00/-

Two-day special training camp concludes; over 100 personnel learn teamwork skills

Learning mantra resonates at Police Headquarters: Leave mobile phones and embrace books and emphasize social skills

The State View Jaipur

A two-day training camp, organized at Police Headquarters with the aim of bringing positive changes in the efficiency and behavior of ministerial staff, concluded successfully today. Held on February 9th and 10th, approximately 100 ministerial staff from the police department participated in the session, where they were taught the nuances of file management and public behavior. Learned the art of influencing through activities Deputy Inspector General of Police Training Sharad Chaudhary stated that the training program was not limited to lectures, but was entirely activity-based. Chief trainer Shailendra Singh Chauhan of Matrix Training Solutions introduced the staff to the six

principles of Influential Skills through various activities. It taught how an employee can leave a positive impact through their behavior and work as a team, fostering mutual harmony. DG Anil Paliwal's call: Distance from mobile phones, closeness to books*In his address, Director General of Police Training Anil Paliwal, the chief guest at the closing ceremony, deeply criticized modern lifestyles and work practices. Referring to the challenges of the digital age, he specifically urged participants to connect with books instead of wasting time on mobile screens. Continuous reading is crucial for increasing knowledge. He emphasized the importance of implementing what they learned in their office work.

This training program was successfully conducted under the able guidance of Deputy Inspector General of Police Training Sharad Chaudhary. This session was the result of a collaboration between Police Headquarters and Jaipur-based Matrix Training Solutions. At the end of the program, participants acknowledged that such sessions not only transform their work ethic but also help reduce stress and foster team spirit.

दैनिक नवज्योति
Jaipur City - 11 Feb 2026 - Page 4

मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार करें

ब्यूरो/नवज्योति,जयपुर। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को समापन हो गया। नौ और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहां उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं। डीआई ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने कहा कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है।

जयपुर
महानगर टाइम्स
epaper.mahanagartimes.com
11 Feb 2026 - Page 12

पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में गूंजा लर्निंग का मंत्र

मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

100 से ज्यादा कर्मियों ने सीखे टीमवर्क के गुर

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहां उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

उपमहानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिंग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहां सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें।

प्रतिभागियों ने माना बदलेगा काम करने का तरीका

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के निर्देशन में हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से ना केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

संस्थापक- स्व. श्री राजेंद्र के. गोधा

वर्ष : 46 | अंक : 278 | पेज-12 | मूल्य : 2.50 रु.

विश्वास आपका... साथ हमारा...

आर.एन.आई.नं. 35236/80

समाचार जगत

www.samacharjagat.com

जयपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026, फाल्गुन कृष्ण पक्ष नवमी संवत् 2082

साइफर्ट-ऐलन की शतकीय साझेदारी से...
@ पृष्ठ 8

विशेष प्रशिक्षण शिविर : 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

समाचार जगत न्यूज

जयपुर. पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं। उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के

माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2005/15194

आप जिस चीज के लायक हैं, उससे कम पर कभी समझौता न करें। यह अभिमान नहीं, स्वाभिमान है।
- आचार्य चाणक्य

जयपुर ■ सीकर ■ अजमेर ■ अलवर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक अपना अखबार

मॉर्निंग न्यूज़

वर्ष 21 अंक : 273 ₹ 4.00 पृष्ठ-8

www.morningnewsindia.com

जयपुर, बुधवार 11 फरवरी, 2026

पेज 7 | स्पोर्ट्स

शिविर में मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और... | 3

पुलिस मुख्यालय में दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

शिविर में मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर दिया जोर

100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला : उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिंग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया।

उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

जागो इंडिया जागो
सच ■ साहस ■ संकल्प से...
11 फ़रवरी 2026

पुलिस मुख्यालय में विशेष प्रशिक्षण शिविर में मिनिस्ट्रियल स्टाफ ने सीखे टीम वर्क के गुर

गूंजा लर्निंग का मंत्र: मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती, व्यवहार कुशलता पर दिया जोर

जागो इंडिया जागो
सिटी रिपोर्टर . जयपुर

पुलिस मुख्यालय में मिनिस्ट्रियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

एक्टिविटी के जरिए सीखी प्रभाव डालने की कला

उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

जो कुछ भी यहां सीखा है, दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिंग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

पुलिस मुख्यालय में गूंजा "लर्निंग मंत्र"

100 से अधिक कार्मिकों ने सीखे टीम वर्क के गुर

जयपुर । पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

प्रभाव डालने की कला सीखी

उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के

■ मोबाइल छोड़कर किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

सत्यमेव जयते
निडर . निष्पक्ष. निर्भीक तस्दीक न्यूज ब्यूरो
Power of Truth

दैनिक
तस्दीक
RNI/HIN2014/55337

दिल्ली, उड़ीसा, जयपुर, कोटा,झालावाड़, बारां,जोधपुर, भरतपुर,अलवर, उदयपुर व चित्तौड़ से प्रसारित

उड़ीसा संपादक-स्वामी बिजया नंज जी महाराज/सह संपादक-विदुषी राठौड़

वर्ष:13 | अंक: 42 | बुधवार 11 फरवरी 2026 | हिन्दी | प्रात:कलीन | मूल्य: 2 रुपए प्रति | कुल पृष्ठ:4

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्रः मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन; 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

दैनिक तस्दीक

जयपुर पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ।9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

डीजी अनिल पालीवाल का आह्वानः मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिंग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

स्थापित 1972

दैनिक भोर

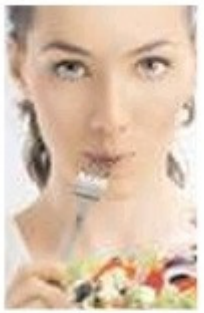

जयपुर वर्ष : 23 अंक : 100 पेज : 8 पोस्टल रजि.न. जयपुर सिटी/001/2025-2027 मूल्य: 2.00 RNI-RAJ/HIN 2003 11416 फोन : 2590091,2590070 फैक्स नं: 2594054 thebhor@yahoo.com

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्रः मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन; 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

जयपुर (कासं)। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं। एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर

एक टीम की तरह काम कर सकता है। डीजी अनिल पालीवाल का आह्वान: मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकीसमापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

50 हजार का इनामी बदमाश योगेश बावरिया गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। जिला कोटपूतली-बहरोड़ पुलिस ने संगठित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस थाना बहरोड़ कोतवाली और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए बानसूर थाने के हत्या के मामले में वांछित 50,000 रुपये के इनामी आरोपी योगेश कुमार को दबोच लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए।

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र: मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन; 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

स्मार्ट मरुधर

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला : उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इम्प्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

डीजी अनिल पालीवाल का आह्वान: मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी... समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिंग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

दैनिक
नवश्रेय टाईम्स

PRGI No._RJHIN/25/A0587

सम्पर्क सूत्र
दैनिक नवश्रेय टाईम्स में समाचार, विज्ञापन और सूचनाएं प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें:-
मो. 9602240956
Email-
navshreyatimes@gmail.com

वर्ष : 01 | अंक : 189 | जयपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026 | प्रभात संस्करण | मूल्य: 2 रु. | कुल पृष्ठ : 4

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन, 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र: मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

■ नवश्रेय टाइम्स , जयपुर

पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला

उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

डीजी अनिल पालीवाल का आह्वान: मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ।

यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

हुक्मनामा समाचार

https://hukmnamasamachar.com
11 February, 2026 - Page 7

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र: मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं। एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।डीजी अनिल पालीवाल का आह्वान: मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने

कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

RNI NO. 53791/93

दैनिक विशेष गरिमा समाचार
पत्र में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पंजाब, मेघालय, जम्मू कश्मीर, उड़ीसा, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा एवं केरल से पत्रकार जुड़े।
contact us:email:
visheshgarima@gmail.com
Mobile.9314017636, 8209073743

विशेष गरिमा

जयपुर व शिमला से एक साथ प्रसारित

आप अपने संस्थान के समाचार हमें दैनिक विशेष गरिमा, VG NEWS चैनल एवं पोर्टल www.visheshgarima.page में प्रकाशन हेतु vishesh-garima @gmail.com पर भेज सकते हैं।
व्हाटसअप - 9314017636

वर्ष: 15 | अंक :197 | बुधवार,11 फरवरी 2026 | हिंदी दैनिक | पृष्ठ:4 | मूल्य: 1 रुपए

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र: मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन; 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

विशेष गरिमा

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला

उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें

यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

डीजी अनिल पालीवाल का आह्वान: मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

जयपुर बुधवार,11 फरवरी 2026

जन जागरण संदेश

RNI NO. RAJHIN/2023/90599

बात देश के हित की...

वर्ष - 03 | अंक -42 | TC/RAJHIN28067 | दैनिक | प्रातः | मूल्यः 3 रूपए | पृष्ठः 15 | Janjaagransandesh@gmail.com

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र: मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन; 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

जन जागरण संदेश

जयपुर 10 फरवरी। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं। एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला उप

महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है। डीजी अनिल पालीवाल का आह्वान: मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिंग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्य प्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उहोंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

RJHIN/25/A0469

सुविचार

'दूसरों से अपनी तुलना मत करो, जो आप दूसरों के सोशल मीडिया देखकर प्रभावित होते हो, वो केवल उनकी जिंदगी की हाइलाइट्स हैं।'

थार संवाद

थार संवाद
हम खबर नहीं, आईना दिखाते हैं

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

अंक - 8 | वर्ष-01 | जयपुर (राजस्थान) | बुधवार, 11 फरवरी, 2026 | editortharsamachar@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र: मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन; 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

थार संवाद

जयपुर । पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला

उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

डीजी अनिल पालीवाल का आह्वान: मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिंग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

Hindraftar111@gmail.com, www.newsinrajasthan.com
PRGI NO. RJHIN/25/A1926

खबरों का सटीक विश्लेषण

हिंद रफ्तार

2 प्रदेश के हर जिले में होगा आर्द्रभूमि संरक्षण एवं .....

भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए..... 2

Digital E-paper

जयपुर बुधवार, 11 फरवरी, 2026

मूल्य : 2 रुपए प्रति

संस्थापक एवं संपादक अनिल शर्मा

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन; 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र: मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

हिंद रफ्तार,जयपुर

पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला

उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है। डीजी अनिल पालीवाल का आह्वान: मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

दैनिक समाचार पत्र

सांध्य दिव्य राष्ट्र

सच्ची खबरों का आईना

RNIRAJHIN 17586/2015

sunnyatrey30@gmail.com

वर्ष: 4 | अंक: 73 | जयपुर, बुधवार 11 फरवरी, 2026 | मूल्य: 2.50 रुपये, | पृष्ठ: 4

पीडीएफ मंगवाने हेतु संपर्क करें

8302118183 /
8107068124

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र : मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन; 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला

उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड

रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इम्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

डीजी अनिल पालीवाल का आह्वानः मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर प?ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

सन् 1987 से प्रकाशित अखबार

भारत व राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों हेतु स्वीकृत अखबार

RNI : RAJHIN13216/2005

निष्पक्ष कलम

निर्भीक आवाज

दैनिक GKS न्यूज

गरीबों का सितारा

"आमजन का अखबार" "जन-जन के विचार"

हमारा ध्येय : निष्पक्ष, निरंतर, निर्भय

हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com

आज का सुविचार

जिंदगी में अपनापन तो हर कोई दिखाता है पर अपना कौन है ये तो वक़्त ही बताता है..!

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र...

मोबाइल छोड़ किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर

दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन; 100 से अधिक कर्मियों ने सीखे टीम वर्क के गुर

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

एक्टिविटी के जरिए सीखीं प्रभाव डालने की कला

उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

डीजी अनिल पालीवाल का आह्वान: मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्ष: 16 | अंक 345 | सीकर, बुधवार 11 फरवरी 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

पुलिस मुख्यालय में गूंजा लर्निंग का मंत्र

निसं

जयपुर (नवयत्न)। पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गई।

एक्टिविटी के जरिए सीखीप्रभाव डालने की कला

उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

मोबाइल से दूरी, किताबों से नजदीकी

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा हैए उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।